भारत - अर्जेंटीना संबंध

राजनीतिक संबंध

भारत - अर्जेंटीना संबंध सौहार्दपूर्ण हैं तथा इसके तहत अंटार्कटिक अनुसंधान एवं सांस्कृतिक सहयोग सहित राजनीतिक, आर्थिक, वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय सहयोग शामिल हैं। भारत और अर्जेंटीना के बीच कोई विवाद नहीं है।

भारत ने ब्यूनस आयर्स में 1943 में एक व्यापार आयोग खोला तथा आगे चलकर 1949 में से दूतावास में परिवर्तित किया। अर्जेंटीना ने 1920 के दशक में कलकत्ता में एक कांसुलेट स्थापित किया था, जिसे 1950 में दूतावास के रूप में दिल्ली स्थानांतरित किया गया। अर्जेंटीना ने अप्रैल, 2009 में मुंबई में कांसुलेट जनरल का कार्यालय खोला। श्री सर्गियो लैस सौरेज को अर्जेंटीना के कोरडोबा प्रांत में भारत का मानद कांसुल जनरल नियुक्त किया गया है।

भारत - अर्जेंटीना संयुक्त आयोग की चौथी बैठक जून, 2013 में नई दिल्ली में हुई। सचिव (पश्चिम) श्री दिनकर खुल्लर के नेतृत्व में चौथा विदेश कार्यालय परामर्श अप्रैल, 2014 में आयोजित हुआ।

यात्राएं :

अर्जेंटीना की ओर से भारत की महत्वपूर्ण यात्राएं

2009 अर्जेंटीना की राष्ट्रपति सुश्री क्रिस्टीना फर्नांडीज डी क्रिस्नर
2013 विदेश मंत्री श्री हेक्टर टिम्मेरमन
2013 मेंडोजा प्रांत के गर्वनर श्री फ्रांस्सिको पेरेज
2014 सेंटा फे प्रांत के गर्वनर श्री अंटोनियो बोनफट्टी
2014 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डा. लीनो बारानाओ
2014 सैन लुइस प्रांत के गर्वनर श्री कलाउडियो पोग्गी
2014 उप विदेश मंत्री, कार्लोस बियांको
2015 श्री एडुआर्डो जुनैन, उप विदेश मंत्री
2015 सचिव, खनन श्री जॉर्ज मेयर

भारत की ओर से अर्जेंटीना की महत्वपूर्ण यात्राएं

2010 श्रीमती प्रणीत कौर
2013 विदेश मंत्री श्री सलमान खुर्शीद
2014 श्री दिनकर खुल्लर, सचिव (पश्चिम), विदेश मंत्रालय
2014 श्री संतोष गंगवार, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
2014 न्यायमूर्ति स्वतंत्र कुमार, राष्ट्रीय हरित अधिकरण प्रमुख

द्विपक्षीय करार :

बाहरी अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण प्रयोगों में सहयोग पर रूपरेखा करार	2009
अर्जेंटीना के एस ई जी ई एम ए आर तथा भारतीय भू-विज्ञानी सर्वेक्षण के बीच एम ओ यू	2009
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में सहयोग कार्यक्रम	2009
खेल सहयोग पर एम ओ यू	2009
व्यापार संवर्धन पर एम ओ यू	2009
अर्जेंटीना के आई एन टी आई तथा राष्ट्रीय अनुसंधान विकास परिषद निगम, नई दिल्ली के बीच एम ओ यू	2009
ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओ वी एल) तथा अर्जेंटीना के ई एन ए आर एस ए के बीच पेट्रोलियम क्षेत्र में सहयोग पर एम ओ यू	2009
अर्जेंटीना की वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुसंधान परिषद (कोनिसेट) तथा भारत की वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी एस आई आर) के बीच सहयोग करार	2009
पांच वर्षीय अनेक प्रवेश फ्री व्यवसाय वीजा प्रदान करने के लिए करार	2009
परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण प्रयोगों में सहयोग के लिए करार	2009
कर से संबंधित मामलों पर सूचना के आदान - प्रदान एवं सहायता पर करार	2011
सीमा शुल्क करार	2011
कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में सहयोग के लिए करार	2010
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा में सहयोग के लिए एम ओ यू	2006
बी आई पी पी ए करार	1999, जो 2002 से लागू हुआ है
अंटार्कटिक सहयोग पर एम ओ यू	1998 जिसे 2006 में नवीकृत किया गया है
राजनयिक एवं आधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा से छूट के लिए करार	1994
विदेश कार्यालय परामर्श पर एम ओ यू	1994
तीन साल का व्यवसाय वीजा प्रदान करने के लिए करार	1993
तकनीकी एवं वैज्ञानिक सहयोग पर करार	1985
सांस्कृतिक करार	1974
पर्यटक एवं ट्रांजिट वीजा के लिए शुल्क में छूट देने के लिए करार	1968

तकनीकी सहयोग एवं प्रशिक्षण

भारत हर साल अर्जेंटीना के कामकाजी पेशेवरों को आई टी ई सी छात्रवृत्तियां प्रदान करता है। अर्जेंटीना के राजनयिक समय-समय पर भारतीय विदेश सेवा संस्थान के प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में शामिल होते हैं।

बहुपक्षीय मंचों पर समर्थन :

भारत और अर्जेंटीना ने प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर हमेशा एक - दूसरे का समर्थन किया है तथा अर्जेंटीना यूएन एवं विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय निकायों में भारत की उम्मीदवारी का समर्थन करता है।

अर्जेंटीना ने हमेशा भारत का आभार व्यक्त किया है, विशेष रूप से, मालविनास द्वीपसमूह के संप्रभुता से संबंधित मुद्दे पर अर्जेंटीना के लिए भारत के समर्थन के लिए, और हाल ही में संप्रभु ऋण सर्विसिंग तथा होल्डआउट क्रेडिटर के मुद्दे पर भारत के लिए समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया है।

वाणिज्यिक संबंध :

द्विपक्षीय व्यापार (मिलियन अमरीकी डालर में)

पिछले 6 वर्षों के लिए द्विपक्षीय व्यापार का ब्यौरा यहां नीचे दिया गया है :

वर्ष	भारत का आयात	वृद्धि	भारत का निर्यात	वृद्धि	कुल व्यापार	वृद्धि
2010	2033	-	496	-	2529	
2011	1214	-40 प्रतिशत	561	13 प्रतिशत	1174	-30 प्रतिशत
2012	1264	4 प्रतिशत	573	2 प्रतिशत	1837	4 प्रतिशत
2013	1105	(-13 प्रतिशत)	695	(21 प्रतिशत)	1801	(-2 प्रतिशत)
2014	2032	(84 प्रतिशत)	602	(-13 प्रतिशत)	2633	46 प्रतिशत

(स्रोत : मर्कोसुर ऑनलाइन)

अर्जेंटीना को भारत का निर्यात :

निर्यात की जाने वाली मुख्य वस्तुओं में अन्यों के अलावा जैविक रसायन, वाहन एवं आटो पार्ट्स, लुब्रिकेंट, मशीनरी, साउंड एवं इमेज डिवाइस तथा परिधान शामिल हैं।

अर्जेंटीना से भारत का आयात

आयात की जाने वाली मुख्य वस्तुओं में अन्य वस्तुओं के अलावा सोयाबीन का तेल, पेट्रोलियम, कॉपर, सूरजमुखी का तेल, चमड़ा, ऊन, फेरो अलॉय शामिल हैं।

निवेश, संयुक्त उद्यम एवं कारोबारी शिष्टमंडल

930 मिलियन अमरीकी डालर के कुल निवेश के साथ लगभ 13 भारतीय कंपनियों ने अर्जेंटीना में अपना प्रचालन स्थापित किया है। भारतीय कंपनियों में टीसीएस, क्रिसिल, बजाज, सेलेंट, काग्निजेंट टेक्नोलॉजी, यूनाइटेड फास्फोरस लिमिटेड (यू पी एल), सिंटेसिस क्यूमिका, ग्लेनमार्क, गोदरेज आदि शामिल हैं। भारत में अर्जेंटीना का निवेश 120 मिलियन अमरीका डालर के आसपास है। टेचिंट, जो विश्व में सीमलेस स्टील ट्यूब की सबसे बड़ी निर्माता कंपनी है, के दिल्ली में कार्यालय हैं जिसमें लगभग 200 कर्मचारी काम करते हैं।

ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओ वी एल) ने तेल अन्वेषण के लिए अर्जेंटीना में संभावित संयुक्त उद्यमों के लिए उनके अर्जेंटीनी समकक्ष इनारसा के साथ एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया है। भारतीय कंपनी सोनालिका प्राइवेट लि. ने ट्रैक्टर निर्मित करने के लिए अर्जेंटीना की कंपनी अपाचे ऑफ सांटा फे के साथ एक संयुक्त उद्यम पर हस्ताक्षर किया है तथा भारतीय कंपनी बजाज मोटरबाइक्स ने मोटरबाइक का उत्पादन करने तथा स्थानीय बाजार में बेचने के लिए कोरवेन

अर्जेंटीना के साथ संयुक्त उद्यम पर हस्ताक्षर किया है। वर्ष 2014 के दौरान, इंप्लाटेक अर्जेंटीना ने भारतीय कंपनी अप्पासामी एसोसिएट्स, जो ऑप्थलमोलोजीकल मार्किट में विश्व लीडर है, के साथ एक सामरिक गठबंधन विकसित किया तथा दोनों कंपनियों ने 20,000 लेंस निर्मित करने की मासिक क्षमता के साथ अर्जेंटीना में इंट्राओकुलर लेंस के पहले उत्पादन संयंत्र का उद्घाटन किया है। हलाल इंडिया एवं हलाल अर्जेंटीना ने हलाल मीट के उत्पादन एवं निर्यात के लिए एक संयुक्त उद्यम शुरू किया है। केरल के इश्का रिनेवेबल फार्म्स प्राइवेट लि. ने अर्जेंटीना के सेंटियागो डेल एस्टेरो प्रांत में अगले दस साल में 1000 एकड़ में कैपर की खेती करने के लिए कोऑपरेटिव अल कैपरास के साथ एक संयुक्त उद्यम पर हस्ताक्षर किया है।

अर्जेंटीना के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा नवाचार उत्पादन मंत्री श्री लिनो बरनाव ने फरवरी 2014 में हैदराबाद में बायो एशिया में भाग लिया तथा दिल्ली में अपने समकक्ष से मुलाकात की। सांटा फे के राज्यपाल श्री अंटोनियो बोनफट्टी के नेतृत्व में फरवरी 2014 में हैदराबाद में बायो एशिया 2014 अंतर्राष्ट्रीय मेले में भाग लेने के लिए एक मंत्री स्तरीय शिष्टमंडल ने भारत का दौरा किया तथा फिक्की के साथ बातचीत की। उन्होंने केंद्रीय नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री फारूक अब्दुल्ला से भी मुलाकात की। अल्मीरांटे बाउन, ब्यूनस आयर्स प्रांत के उत्पादन सचिव श्री हरनन लांबेरटी ने 12 से 22 सितंबर 2014 के दौरान क्रेता - विक्रेता बैठक में भाग लिया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों जैसे कि आभूषण, वस्त्र, और वीडियो गेम आदि के प्रतिनिधियों से मुलाकात की तथा आई एम सी, एफ आई ई ओ, ई पी सी आदि के साथ बातचीत की। अर्जेंटीना के उप विदेश मंत्री श्री कार्लोस बैंको के नेतृत्व में अर्जेंटीना के एक शिष्टमंडल ने नई दिल्ली में 7 और 8 अक्टूबर 2015 को आयोजित भारत - एल ए सी निवेश गोष्ठी में साझेदार देश के रूप में भाग लिया। उन्होंने भारत की अपनी यात्रा के दौरान दिल्ली में अनेक व्यवसाय घरानों तथा वाणिज्य चैंबरों से मुलाकात की।

ब्यूनय आयर्स में व्यवसाय दर व्यवसाय प्रदर्शनियों का आयोजन करने के लिए भारत से दो निर्यात संवर्धन परिषदों - केमेक्सिल और फार्मेक्सिल के प्रतिनिधियों ने अर्जेंटीना का दौरा किया।

भारत - अर्जेंटीना व्यापार संबंधों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां

i. राष्ट्रपति के आज्ञप्ति में संशोधन जिसके माध्यम से अर्जेंटीना में भारतीय फार्मा उत्पादों के आयात की अनुमति दी गई है अर्जेंटीना ने अंतत: भारत के सरोकारों को दूर किया तथा अगस्त 2014 में फार्मा आयात पर अर्जेंटीना के राष्ट्रपति के आदेश के अनुबंध 2 में भारत को शामिल करने पर सहमत हो गया। भारत लंबे समय से इस मुद्दे को उठा रहा था तथा भारत के शामिल होने से भारत से अर्जेंटीना को फार्मा के निर्यात में तेजी आए उल्लेखनीय है कि पिछले 15 वर्षों से अर्जेंटीना द्वारा व्यापार एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में राष्ट्रपति की किसी आज्ञप्ति को संशोधित नहीं किया गया है।
ii. अर्जेंटीना से सेब, मोती एवं श्रीफल के आयात के लिए भारत की अनुमति भारत और अर्जेंटीना के बीच फाइटो सेनिटरी मुद्दों के सफल समाधान के बाद भारत में अर्जेंटीना से सेब, मोती एवं श्रीफल के आयात के लिए भारत ने अनुमति प्रदान की है।

क्षेत्रीय कार्य योजना

अर्जेंटीना में भारत के वाणिज्यिक एवं आर्थिक हितों को बढ़ावा देने के लिए अगस्त, 2012 में एक अनोखी क्षेत्रीय कार्य योजना शुरू की गई। इस योजना के तहत, पिछले साल सैन जुआन, कोरडोबा, मेंडोजा, सैन लुइस, न्युक्वेन, कटमारका, साल्टा, सांटा फे, इंट्रे रियोस आदि जैसे प्रांतों को शामिल किया गया तथा राजदूत महोदय ने अनेक कारोबारी सेमिनारों को संबोधित किया है तथा व्यापार संबंधों में तेजी लाने की संभावनाओं की तलाश करने वाले व्यापार एवं उद्योग जगत के क्षेत्रीय नेताओं के साथ बातचीत की है। इस योजना के आरंभ होने के बाद विभिन्न प्रांतो के राज्यपालों एवं कारोबारी शिष्टमंडलों ने भारत का दौरा किया है।

भारत और अर्जेंटीना द्वारा प्रस्तुत बड़े पैमाने पर समानताओं को उपयोग करने तथा वाणिज्य, व्यापार एवं प्रौद्योगिकीय सहयोग पर नियमित रूप से सूचना का आदान - प्रदान करने के लिए दिसंबर, 2014 में ब्यूनस आयर्स के प्रांत तांडिल की नगर सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

सांस्कृतिक संबंध :

दूतावास सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा भारतीय मंडलियों के दौरों का समय - समय पर आयोजन करता रहा है। 2015 में भारत के अनेक शास्त्रीय नर्तकों ने अर्जेंटीना के विभिन्न भागों का दौरा किया एवं अपनी कला का प्रदर्शन किया तथा कार्यशालाओं का आयोजन किया। इसके अलावा, 2015 में लैनुस और कोरीन्टेस में भारत सप्ताह एवं भारत दिवस का आयोजन किया गया। अर्जेंटीना के विभिन्न शहरों जैसे कि सैन सल्वाडोर डे जुलुई, अल्मीरांते ब्राउन, टैंडिल, परना, रियो कुआर्टो एवं ब्यूनस आयर्स में अतीत में नियमित रूप से भारतीय संस्कृति, नृत्य एवं भोजन का जश्न मनाने वाले त्यौहार मनाए गए हैं। अर्जेंटीना के सभी 23 प्रांतों में तथा राजधानी शहर ब्यनस आयर्स में 21 जून, 2015 को प्रांतीय एवं नगरपालिका शासनों के अलावा 72 विश्वविद्यालयों तथा 200 योग विद्यालयों के साथ मिलकर पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

2015 में दिल्ली में पहले विश्व इंडोलॉजिस्ट सम्मेलन में अनेक देशों से भाग लेने वाले 21 इंडोलॉजिस्टों में अर्जेंटीना के 100 वर्षीय इंडोलॉजिस्ट डा. फर्नांडो टोला ने अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व किया। अर्जेंटीना के मशहूर शिक्षाविद प्रो. कार्लोस मोनेटा ने भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के शिक्षाविद आगंतुक कार्यक्रम के तहत भारत का दौरा किया।

अर्जेंटीना की 4 फिल्मों ने भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, 2015 में भाग लिया। भारत पर्यटन कार्यालय, न्यू यार्क के सहयोग से अर्जेंटीना के राजधानी शहर तथा प्रांतों में भारत पर्यटन संवर्धन की गतिविधियों का आयोजन किया गया।

भारतीय समुदाय

भारतीयों की संख्या 888 है (401 स्थाई निवासी स्टेटस के साथ तथा 487 अस्थाई निवासी स्टेटस के साथ)। अधिकांश भारतीय ब्यूनस आयर्स के राजधानी शहर में रहते हैं तथा उनमें से कुछ यहां 40 साल से अधिक समय से रह रहे हैं। इनमें से अधिकांश सिंधी समुदाय से हैं। अन्य लोग पेशेवर हैं जो 15 भारतीय कंपनियों तथा बहुराष्ट्रीय कंपनियों जैसे कि टी सी एस, कॉग्निजेंट टेक्नोलॉजी आदि में काम कर रहे हैं। पंजाब से लगभग 300 सिख 20वीं शताब्दी के शुरूआत और मध्य में साल्टा प्रांत में बस गए हैं। वे अर्जेंटीना के नागरिक बन गए हैं तथा स्थानीय आबादी में अच्छी तरह घुलमिल गए हैं। उनमें से अधिकतर खुदरा एवं थोक व्यापार का काम करते हैं। पहली पीढ़ी के उत्प्रवासी पंजाबी बोलते हैं। रोसारियो डेला फ्रांटेरा कस्बे में एक गुरूद्वारा है जहां वे हर साल गुरू नानक जयंती मनाते हैं। राष्ट्रपति ज्ञान जैल सिंह 1984 में इस गुरूद्वारे में मत्था टेकने गए थे।

उपयोगी संसाधन :

मिशन का वेब पेज :

अर्जेंटीना में भारतीय मिशन का फेसबुक पेज :

मिशन का यूट्यूब चैनल

मिशन का ट्विटर पेज

अर्जेंटीना, उरूग्वे तथा पराग्वे में योग संस्थाओं एवं विद्यालयों की डायरेक्टरी

अर्जेंटीना, उरूग्वे तथा पराग्वे के साथ कारोबार करने के लिए पथ-प्रदर्शिका

***

दिसंबर, 2015